

3,600 जवानों के बलिदान को किया याद, 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य

कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लंबे समय बाद शांति: शाह



नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों के बीच अब शांति स्थापित हुई है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाता है और देशविरोधी संगठनों को आर्थिक सहायता देता है। शाह ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक कर्तव्य निभाते हुए 36,852 पुलिसकर्मी बलिदान दे चुके हैं। इनमें इस वर्ष शहीद हुए 154 जवान भी शामिल हैं। उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, कोबरा बटालियनों और छत्तीसगढ़ पुलिस के योगदान की प्रशंसा की।

मोदी ने जवानों के बलिदान को किया नमन



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों से निपटने, आपात स्थितियों में सहायता पहुंचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस के योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कर्तव्य निभाते हुए प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का साहस, अटूट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की स्मृति में सदैव अंकित रहेगा। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने वाले सभी पुलिसकर्मियों के प्रति आभार जताया।

20 हजार पदों पर होगी भर्ती, 400 नए सांदीपनि स्कूल भवन बनेंगे



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 954 कर्मचारियों को दिए अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

अधिकारियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार ने 400 नए विद्यालय भवनों के निर्माण को स्वीकृति दी है। इनमें 200 भवन स्कूल शिक्षा विभाग और 200 भवन जनजातीय कल्याण विभाग बनाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में जल्द ही 20 हजार पदों पर भर्ती शुरू होगी। अब तक प्रदेश में 85 हजार से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नौकरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक सहारा देने की संवेदनशील पहल है। नियुक्ति पाने वालों में 661 सहायक ग्रेड-तीन, 31 प्राथमिक शिक्षक और 262 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। डॉ. यादव ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग का बजट बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये हो गया है। विद्यालयों में आधुनिक प्रयोगशालाओं, खेल गतिविधियों और बेहतर सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए हर वर्ष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक होगी।

ख़ास-ख़बरें

सौरव और आशुतोष को मिली जमानत

नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:

कांग्रेस जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को सात दिन बाद दिल्ली की विशेष अदालत से जमानत मिल गई। दिल्ली पुलिस ने दोनों को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया था। दोनों नेता आठ से दस समर्थकों के साथ तिरंगा लेकर वहां पहुंचे थे। सरकार ने 12 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद वहां पहुंचने पर शांति नियमों के उल्लंघन के आरोप में उन्हें पांच दिन के लिए जेल भेजा गया था। 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

महिला आरक्षण अभी लागू करें: खड़गे

नई दुनिया ब्यूरो, नवलभुगी:

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में महिला आरक्षण, परिसीमन और चुनाव सुधारों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए है। खड़गे ने कहा कि सरकार लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दे सकती है। इसके लिए परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार करने की क्या जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विपक्ष को बदनाम करने का आरोप भी लगाया। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं जवाब देने के बजाय दूसरों के माध्यम से जवाब भिजवाते हैं।

आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ है अमेरिका: रूबियो

नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों से संपन्न देश है और उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण उससे बातचीत करना जरूरी है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि अमेरिका को उन देशों के साथ भी कूटनीतिक संबंध

बनाए रखने पड़ते हैं, जिनसे उसके मतभेद हैं। रूबियो ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत भी ईरान के साथ संबंध रखता है और वहां के नेताओं से मुलाकात करता है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति में विभिन्न देशों के साथ संबंधों का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिका दुनिया में कहीं भी आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ है। ईरान की सरकार की आलोचना करते हुए रूबियो ने कहा कि वहां कट्टरपंथी शिया धर्मगुरुओं का प्रभाव है, जिससे समझौता करना मुश्किल होता है। उन्होंने ईरान पर ऐसे व्यापारिक जहाजों पर हमले करने का आरोप लगाया, जिनका युद्ध से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने दुनिया के देशों से इन हमलों को निंदा करने की अपील की। रूबियो ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और अन्य ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर के 80 से 100 प्रतिशत तक बनी हुई है।

खराब श्रेणी में दर्ज की गई। बुधवार को श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया

वायुसेना इन विमानों को हैदराबाद के पास स्थित वायुसेना अकादमी में तैनात करेगी। इसके लिए पहले 25 से 30 विमानों का बेड़ा तैयार करना होगा। साथ ही उड़ान प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षण देना होगा, ताकि वे नए पायलटों को विमान उड़ाना सिखा सकें। एचटीटी-40 को 'अंकुर' नाम दिया गया है। इसे भारतीय रक्षा सेवाओं की शुरुआती पायलट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश में ही विकसित किया गया है। विमान का लगभग

नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बुधवार को भारतीय वायुसेना को तीन एचटीटी-40 प्रारंभिक प्रशिक्षक विमान सौंप दिए। इन विमानों का इस्तेमाल नए पायलटों को उड़ान का शुरुआती प्रशिक्षण देने के लिए किया जाएगा। हालांकि, प्रशिक्षण प्रक्रिया शुरू होने में दो वर्ष तक का समय लग सकता है।

वायुसेना इन विमानों को हैदराबाद के पास स्थित वायुसेना अकादमी में तैनात करेगी। इसके लिए पहले 25 से 30 विमानों का बेड़ा तैयार करना होगा। साथ ही उड़ान प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षण देना होगा, ताकि वे नए पायलटों को विमान उड़ाना सिखा सकें। एचटीटी-40 को 'अंकुर' नाम दिया गया है। इसे भारतीय रक्षा सेवाओं की शुरुआती पायलट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश में ही विकसित किया गया है। विमान का लगभग

चुकी है। एचटीटी-40 के शामिल होने से प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए स्वदेशी विमानों की उपलब्धता बढ़ेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 18 सितंबर को बेंगलुरु में आयोजित समारोह में वायुसेना को दो सीटों वाले हल्के लड़ाकू विमान तेजस के प्रशिक्षक संस्करण भी सौंपे थे। इसी समारोह में पवनहंस लिमिटेड को चार नई पीढ़ी के ध्रुव हेलिकॉप्टर भी दिए गए थे। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू शामिल हुए थे।

57 प्रतिशत हिस्सा भारत में निर्मित है। रक्षा मंत्रालय ने ऐसे 70 विमानों की खरीद के लिए आदेश दिया है। मौजूदा आपूर्ति इसी के तहत शुरू हुई है।

फिलहाल नए पायलटों को शुरुआती उड़ान प्रशिक्षण पिलाटस पीसी-7 एमके-2 दो विमानों पर दिया जाता है। इसके बाद उन्हें लड़ाकू विमान, परिवहन विमान और हेलिकॉप्टर से जुड़ी शाखाओं में भेजा जाता है। भारतीय वायुसेना इससे पहले भी स्वदेशी एचएएल एचपीटी-32 'दीपक' जैसे प्रशिक्षक विमानों का इस्तेमाल कर

कार्ययोजना (ग्रेप) के पहले चरण की पाबंदियां लागू कर दी गईं। इसके तहत होटल, रेस्तरां और भोजनालयों में तंदूर के लिए कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, डीजल जनरेटर का उपयोग केवल आपातकालीन अथवा आवश्यक परिस्थितियों में ही करने की जरूरी परिस्थितियों में ही किया जा

विरोध प्रदर्शन

फ्रांस में छात्र आंदोलन का नारा बना 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे'

पेरिस, एजेंसी: फ्रांस में छात्र आंदोलन के दौरान 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे' वाक्य युवाओं के बीच चर्चा का विषय बन गया है। युवा इसका इस्तेमाल पुलिस का मजाक उड़ाने के लिए कर रहे हैं। अरबी शब्द 'बिस्मिल्लाह' का अर्थ अल्लाह के नाम पर और फ्रांसीसी शब्द 'से ले तेनैब्रे' का अर्थ अंधकार है। दोनों को मिलाने पर इसका आशय 'अल्लाह के नाम पर यह अंधकार है' निकलता है। हालांकि, यह फ्रांसीसी भाषा का कोई प्रचलित वाक्य नहीं है। बताया गया है कि इस वाक्य की शुरुआत पिछले महीने सामाजिक माध्यम स्नैपचैट पर हुई। एक व्यक्ति ने छात्र प्रदर्शन

आयोजित करने वालों के निजी संवाद समूहों में शामिल होने के लिए कई लोगों को संदेश भेजे। उसने अलग-अलग नामों से खाते बनाकर संदेशों में इस वाक्य का

सकेगा। इन प्रतिबंधों के तहत होटल, रेस्तरां और भोजनालयों में तंदूर जलाने के लिए कोयले तथा लकड़ी का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। वहीं, डीजल से चलने वाले जनरेटर का उपयोग केवल आपातकालीन अथवा आवश्यक परिस्थितियों में ही करने की अनुमति होगी।

युवा पुलिस का मजाक उड़ाने के लिए कर रहे इस्तेमाल, बेल्जियम और जर्मनी तक पहुंचा नारा

फ्रांस में छात्र आंदोलन का नारा बना 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे'

इस्तेमाल किया। कुछ खातों पर अल्जीरिया के ध्वज के चिह्न भी थे। संदेशों की अटपटी भाषा देखकर कुछ युवाओं ने उनके चित्र लेकर सामाजिक माध्यमों पर साझा

कर दिए। इसके बाद यह वाक्य तेजी से चर्चित हो गया। कई युवाओं को संदेश हुआ कि संदेश पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों की ओर से भेजे गए हैं, ताकि आंदोलन से जुड़ी अंदरूनी जानकारी जुटाई जा सके। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने इस वाक्य को पुलिस का मजाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। बेल्जियम और जर्मनी के कुछ विरोध प्रदर्शनों में भी यह नारा सुनाई दिया।

फ्रांस में छात्र आंदोलन पिछले महीने शुरू हुआ था। छात्र जर्जर विद्यालय भवनों की मरम्मत, शिक्षकों की कमी दूर करने, कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या

घटाने और पढ़ाई का दबाव कम करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कई जगह हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुईं। कम से कम 24 विद्यालयों में आज्ञानी या तोड़फोड़ की सूचना है, जबकि करीब आठ हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। भारत में भी जुलाई में छात्र आंदोलन के दौरान 'वास्तेगुना हुइया' वाक्य चर्चित हुआ था। यह अंग्रेजी वाक्य 'केन आई गेट ए होया' का बिगड़ा हुआ रूप था। फ्रांस के एक छात्र संगठन की प्रवक्ता सबरीन खरबाच के अनुसार, नए नारे के जरिये युवाओं ने आंदोलन की जानकारी जुटाने की कोशिश करने वालों का मजाक उड़ाया।